

2562

स्वनयुजा ॥ वाक् ॥ अयमानस्या मूक नृत्यक थ के पुव ज्ञ
थं श्रीनृत्य स्वन रुद्रा नक पूजा मरुकात्रे ॥ ७ ॥ विधि (थं य
जा ॥ देव्या जवम गच्छु गम्यदाव पूजा मनु ॥ ॐ दू क कलम
रुय निलंज न पदु यनम ॥ ॥ ॐ देवलि ॥ जाय भोग ॥
यशु नय्यं ॥ धनं लि द शा य या खन भा स्वदाव भूद्य
गलं खन रुया व पागया मूनन यन दू थू दू नु ॥ १ ॥
नयाय ॥ स्व स्व न न ॥ ॥ ॐ ॥ श्री नृत्य स्वन महा सेन

वाय सुगयागु दभवत नर स्वाहा ॥ सुगयागया ॥ ॥ द्रुप पागु न
सा ॥ ॐ ॥ श्री हं रुद्रा स्वन महा सेन वाय द्रुप पागु नृत्य
नर र स्वा ॥ ॥ मथवा ना धिका इ न सा ॥ ॥ ॐ ॥ श्री हं
श्री नृत्य स्वनी रे न वी की भान न स्वनी नृत्य ल श्री ना वी धि
का नृत्य ना व नर स्वाहा ॥ ॥ धर्मा सकु री यागया नाम दू का या
व मि मि सा या वि (श खन यूव वत्सा ध न ॥ ॥ ध गु वि म लु न ॥ ॥
जलिया च का व नाम दू या मि मि सा या ति न रु ना ॥ वा क न रु

य ॥ स गुरुभिरिदं विद्युत्तद्वत् ॥ तानधनादियथास्वनाभायनि
स्तु ॥ धनं धनं कवि सास्वानवयाव ॥ तानस्त्रिंशद्भिरिदं विद्युत्तद्वत्
आस्वानसमेन्द्रनयाकावकेवा इति ॥ सनार्यानि ॥ यद्वत्तुयुजा
अस्तुस्वस्तुयुजा ॥ धनं धनं यथा ॥ धनं तानधनादिमे
ति युजा ॥ सन्तु नमो युजा ॥ जवगमेकावयुजा ॥ मस्तु ॥ ॐ ह्रीं कं
कानात्मनं निर्वृत्तं नयदृधनात्मनं नमः ॥ ॥ स्ववामेकावयुजा
नयुजा ॥ ॐ ह्रीं मं मूयवनिर्वृत्तं नयदृधनात्मनं नमः ॥ ॥

विष्णुमूर्तुजमृदं मूर्तुयनमः ४ यायुजा ॥ मूर्तुजस्त्रिंशद्वलि ॥ घ
मा ॥ ॐ ह्रीं कं काल इति नमिहात्मनं नमः ४ यायुजा ॥ वलि ॥ ॥
मस्तु ॥ ॐ ह्रीं कं काल मूर्तुयनिर्वृत्तं नयदृधनायनमः ४ यायुजा ॥
वलि ॥ ॥ घाघन ॥ ॐ ह्रीं घघनकं र्थो नृस्य ज्यनपियस्थानमः ४
वलि ॥ ॥ यंचनं गमला ॥ वाद ॥ ॐ ह्रीं लं संधाजातनृस्य ज्यनाय
स्यामनं मयनमः ४ वलि ॥ ॥ मस्तु ॥ ॐ ह्रीं वं वामदवायनृस्य ज्यना
ययीतलं मयनमः ४ वलि ॥ ॥ ॐ ह्रीं मं अधाननृस्य ज्यनायकं ल

य ॥ मयु ॥ मजिबोदवियसकनरुं ॥ तानधनादियाखनमायनि
 रु ॥ धतिधनकावसाखानवयाव तानखिं वदु विवोयाव
 आखानसमेन्दनयाकावकेवाइने ॥ मनायं नि त्यसवनुयुजा
 मरुखमृयुजा धयदीयजायलागु ॥ धनतानधनादिमे
 हियेयुजा मलुनसियुजा ॥ जवगभके कानयुजा मरु ॥ ॐ हूं
 कानात्मनं निर्वृजनेयदृधनात्मनं नमः ॥ ॥ स्ववामपक्षका
 नयुजा ॥ ॐ हूं मं मयवनिर्वृजनेयदृधनात्मनं नमः ॥ ॥

विष्णुमूरुजमृदजी मूरुयनमः ४यायुजा ॥ मूरुजखिं ॥ वलि ॥ घ
 मा ॥ ॐ हूं कं कालरुनितमिरात्मनं नमः ४यायुजा ॥ वलि ॥ ॥
 मयु ॥ ॐ हूं कं काल मूरुयनिर्वृजनेयदृधनात्मनं नमः ४यायुजा ॥
 वलि ॥ ॥ घाघन ॥ ॐ हूं घघनकं र्या नृत्य ज्वनपियस्थानमः ४
 वलि ॥ ॥ यचनं गमलावाद् ॥ ॐ हूं लं संधीजातनृत्य ज्वनाय
 यामीनं मयनमः ४यायुजा ॥ वलि ॥ ॥ मयु ॥ ॐ हूं वं वामदवायनृत्य ज्वना
 यमीनं मयनमः ४यायुजा ॥ वलि ॥ ॥ ॐ हूं मं मयननृत्य ज्वनायकं

कननियतु सपुत्रसुवन्दाना गायरदं रुद्रुत्वाहा ॥ सम्यव
लिं मालकविय ॥ वलिधन ॥ समस्तमस्तु यी ॥ ० ॥ ति ॥ विं ॥ उं ॥ दं ॥ उं ॥ का
नूकं सार्किं वेति ॥ ॥ ॐ ॥ गति व ल्ये वेन ॥ ॥ ॐ ॥ दं ॥ ॐ ॥ दं ॥ मस्तयम
रुनं च न हिमगातलं ॥ वीनजा ॥ रुचिर्दं र गे हा न मम सिद्ध
थ ॥ विलयनं ॥ कस्तुर्युगुनूक यूनसिद्धा रुद्रुकादिक ॥ उा ॥ प्र ना
सकं ग र्थं ग हा न वीन वानि ॥ सिद्धनं ॥ यूर्वु वद न रुग सली ॥
न वीन लषणं ॥ ग हा न वीन वीन जि सि नू न व र्ज दायक ॥ अस्तु ॥

अस्तु न सर्ववीनं वीन राव व मयदं ॥ सर्वमं गलदा रुत्वं ग हा न
पुनमं वन ॥ यस्तु यवीनं ॥ उयवीनं मिदं वीन भल रुग सली ॥
न ॥ ग हा न वीन जा ग स रु ल पा र्थं रुज मम ॥ माला पुष्ट ॥ मा
ली ना ना विर्यं विर्यं वलु सो न य नि रुन ॥ ग ला पु रा त्म के द वि ग
हा ले दं रु ला फ य ॥ अस्तु ॥ ॐ ॥ दं ॥ मगुनं गुनुनं वे व क यूनं म
ग ना ति के ॥ अय वामं महा दया ॥ सर्वे र्थं गति ग सु नी ॥ दी य ॥ ॐ ॥ दं
सु प का ॥ म हा दी य ॥ सर्वे र्थं ति मि ना य ॥ स वा द्वा र्थं न र्थ ॥

नि दीपार्ययति गच्छतां निवेद्य ॥ ॐ हूं अं नमो नमो मंदीर्वा जम
४ मदि ४ मम विनी मयानि वेदि न र क्ता ग हान यन म ज्वन ४ ॥
॥ ॥ हुने नाम्नादि ॥ ॐ हूं नात्रिकल च ख क्ते न नाम्ना यम
४ ॥ ॥ म्मे जति म्मे जाम्बी न रुला र्ययति गच्छतां ॥ दकल ४ ॥
इ नादिकमि त्यादि ॥ यति ४ ॥ ॐ हूं यावद्वा रा क्ते न स्य पर
वति र्वती यावदा का न ग म्मा याव (मि) म्मा गला शा ग गल गल
पति (म) पति ब्री ग (म) ग ४ यावद्वा म्मा पिना की रुत्रिक म न ग नूव

दसि द्धान्वा नी तावर्त्य यूग यो गाम्ब ऊ न य नि वृ ता दान यू जा वि
ना ४ ॥ म्मा यति श्राव न दा ते व ४ ॥ ॥ जाय ॥ ॥ ॐ हूं हूं
स्वा रु ॥ १०४ ॥ ॐ हूं ॐ हूं स्वा रु ॥ १०४ ॥ ॐ हूं हूं सं सं म हान
स्य ज्वा रा य रु त्या ल क्षी ग कि म दि ता य न म ४ ॥ १०४ ॥ ॐ हूं नि वृ
ष्ट म्मा किल ग हाना म्मा क्ते न ज्य ॥ मि दि ल व ड म नि र्य ल्य म्मा
दा म्मा रु ज्वा न ॥ जय म्मा ग हाना म्मा रु ॥ ॐ हूं जय वि स्वि ४ ॥ ॥
यी न र्वा न म्मा ल यं न य म्मा वति की ल्वा ॥ ॐ हूं क्ते ४ ॥

२७२

उत्तुति ॥ गिरुवादिनवान्मापुर्जं न ॥ ॥ ॐ हं शुद्धि सार्कस
ॐ हृदिकमनिलिर्चेववर्क विनर्न यस्यालकालस्र
रुलिमयसकलकंकनकुलुलोयामालायुक्तायवीनवन
जलिमुकनमृगमालासि तेषां तवन्दनृत्यनाथ विनुवलन
मिर्नद्वन्दवाधिद्वन्द ॥ १ ॥ ॥ गङ्गा नवीकनलद्रुगलास्यरीम
वीरसुभोड शुभकनादिनसुकहुर्न ॥ आनन्दराव ४ वसुन
सकननिवेति नृत्यज्वन विपूनदध्य हवननमामि ॥ २ ॥

जटाध्वनकनापमालकन ॥ गङ्गाध्वनलसुधध्विनाथ ॥ वि
गुनरुसुवृषरासनसु जन्दउगुत्कावलनृत्यनाथ ॥ ३ ॥ आ
नन्दगङ्गाकियनिवद्विगमनु गङ्गा तलाननूपमखिलार्थवि
वाधहर्तु ॥ मुक्ताजैसाधनकरंयनभसमूलि नाठ ज्वनस
कनसिद्धिकननमामि ॥ ४ ॥ याददद्विलमलायननुवितनत
स्यापनिस्त्रायन किंचित्प्रक्ति तमाजननउमनवावलेय
स्यालिना ॥ वामा ॥ हं हं वलनराजननयावकुन्दमालाक
ला

र्यनातिथं मनचक्रुषाचकटचक्राद्यानन ४ यातुव ४ ॥ ७ ॥ वस्त्रा
 लधनाहविष्यमूनजावीलधनालावती वंशक्रागजिला
 रुनीध्वनिधनासिं हस्यकाकिनेन नदी गवधनी मृदुद
 निमोगातायन तुवत्र ॥ ८ ॥ नृनृत्यक ४ ॥ ९ ॥ वज्रनिमोना
 ४ ॥ १० ॥ ॥ नन्दि महाकानया ॥ ॥ नन्दी
 गदावयाली जलधिकनधर्व जायुहसं विदुर्दुर्मा
 वेवमृदमं दानि नमनतजा सुंचनक विनर्ग वस्त्र वि नम

मय २ सर्व ३ ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गुरुवरागजहस्ता
 धनाधियतयनमः ॥ ॐ नृति ४ ॥ ॥ अथ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गुरुवरागजहस्ता
 हीयुष्याकृत ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गुरुवरागजहस्ता
 ॥ ॐ ह्रीं ३ ॥ १ ॥ मय २ सर्व ३ ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गुरुवरागजहस्ता
 विद्युनामय २ सर्व ३ ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गुरुवरागजहस्ता
 विद्युनामय २ सर्व ३ ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गुरुवरागजहस्ता
 ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ ह्रीं सांसीं श्री गुरुवरागजहस्ता

取

३५

नवाग्र ॥ ॐ ह्रीं मलय शत विष्णु वन्द्य हस्त मधुदिगं नक्षत्र सर्वविघ्न नाशय
२ सर्व ३ ॥ ॐ ह्रीं मलय महालेन वक्षु मां साययायू ॥ ॐ ह्रीं देव पूजा ॥ ॐ
धुड ह्रीं पूजनी ॥ ॐ ह्रीं मलय जय यक्ष पूज्या कर्तृनिधय ॥ ॐ ह्रीं वन्द्य पूज्य
नायक ॥ महाले नवाग्र नमः ॥ ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं श्वन महालेन वक्षु मां साययायू हस्त
युड ह्रीं दिगं नक्षत्र सर्वविघ्न नाशय २ सर्व ३ ॥ ॥ मलय गन्तव्य पूजा ॥
लय नवाग्र पञ्चवीह पञ्चव्या कर्ता दिल्ल कर्तृ मलय वाक्षु मां
अथ नवाग्र सायमात कर्तृ नवाग्र पञ्च ॥ ॐ ह्रीं ३ हस्त नवाग्र

[illegible]

तसिद्धनमो देव लुखायाव न किं ता य पू ३ ५ ॥ ॥ वा ॥ ॐ विम
निते त नागना लो कया लाज्य कामदा । अस्मिन् गृह्णति सुखं । आप
र्वक नला सदा ॥ ता य मकु ॥ ॐ सुं वूं जी सा रु ॥ अ इ वा न इ वी ऊ ऊ म स्वा
नू का पु के १ त या व म न म कु ल ॥ १० ऊ यु य ॥ ॥ पूर्व विष्णवे नै ल पूज
नं ॥ ॥ ॐ दा डि सर्व पूर्व व नू ॥ ॐ ॐ दा य न म ॥ ॐ त्या दि ॥ ॥
न ॥ श्री विष्णवे नै ल म सि ता म नृ लै ज्य न म ह नै न व ॥ ॐ या पु ज
॥ ॥ ॥ ॐ पूर्व कम न पूर्व व ॥ ॐ र म कु न पू ज नं ॥ ॥ अ य दी य नै

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

वायुपूष्पिनमः॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वां वदूक नाथाय वलिं गुरुं सर्वविघ्ननासकं नृत्यसिद्धिं कुरु
रुद्रस्वाहा ॥ ॐ नमः स्वाययाय ॥ ॐ नमः गंगाय गंगे वलिं
गुरुं सर्वविघ्ननासकं नृत्यसिद्धिं कुरु रुद्रस्वाहा ॥ ॐ नमः
ऊनि गजमुखाय ॥ ॐ नमः वलिं ॥ ॐ नमः यद्वा
स्वाययाय ॥ ॐ नमः गंगाय ॥ ॐ नमः वलिं ॥ ॐ नमः
आनन्दशक्तिसेनानन्दवीलाश्रितय गंगे महे विद्या
नाथस्वामीयाय ॥ ॐ वलिं ॥ ॐ नमः वलिं ॥ ॐ नमः ॥

विष्णुत्रयानि मुखाय ॥ विन्दुदार्ढ्यं ॥ अथ निष्कृतार्थं नमः
श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः गंगाय गंगे नमः ॥ ॐ नमः महे नमः
यद्वा नमः वलिं ॥ ॐ नमः आनन्दस्वामीयाय नमः ॥
ॐ नमः महे ॥ ॐ नमः नमः नमः ॥ दिग्वन्धनं वलिं ॥ ॐ नमः
यामः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
यदुः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
की नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

मालिका। नैथ वार्त्तन्यत्रयं स्वस्वार्त्तं यद्वन् भवत् ॥ नार्त्तधनं न
थायत्तु कयाल क्वकमलुर्त्तं। सहस्रसूर्यसंकाशं कलाहिने
ॐ नृत्तं ॥ वृत्तावृत्तसमाह्वयं नृत्तगानेन संहृत्तं। वाद्य
मानं नन्दि कुशं महाकालं च वासके ॥ गच्छेत् किन्तु नृत्तं नृत्तं
वासुनमना नमो गायमानं मदायुक्तं वाद्यमानं लयांगकं ॥
अनन्दगणिकसयुक्तं अयुक्तं गलभविर्त्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं
च सर्वलं कालसाहिर्त्तं ॥ नृत्तमानं महादर्वं सर्वदेवगल

वर्त्तं ॥ सर्वध्वत्तं महादर्वं नाटकार्यं सुसिद्धयं ॥ मानवानां
हि गार्त्तय सर्वद्वितितनालर्त्तं ॥ ध्वनयुक्तं नमः ॥ आवाहनं नृत्तं
यत्तसंनिधनं सन्निधाय नृत्तं कवचीकर्त्तनं ॥ मर्द्दा ॥ नृत्तं नृत्तं
दमनं ध्वनं मर्द्दा दक्षय ॥ ॐ नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं
यादं समर्थं यामिनं मः ॥ ॐ नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं
नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥ ॐ नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं
नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं ॥ ॐ नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं नृत्तं

ॐ लिप्यर्थाया दू ॥ ३ ॥ ॐ देवलि ॥ ॐ द्रं जां द्र दया
दिन पूजा ॥ वलि ॥ यं च व को ल पूजा ॥ ॐ द्रं लं सश जा ता
गाय विष्णु नमः ॥ ॐ द्रं धाम द वाय नमः ॥ ॐ द्रं यं त ल्य न
वाय नमः ॥ ॐ द्रं हां अ धा वाय नमः ॥ ॐ द्रं द्रं ॐ ही ग नो य नमः ॥
ॐ निव कृ पूजा ॥ ॥ ॐ द्रं जां जा किनी स रु क ले न वाय नमः ॥
ॐ द्रं सां सा किनी या गिनी विष्णु ना न क ले न वाय नमः ॥ ॐ द्रं लां
ला किनी या गिनी भू मि वे ना न ले न वाय नमः ॥ ॐ द्रं कां का किनी

या गिनी भू मि विष्णु ना न ले न वाय नमः ॥ ॐ द्रं सां सा किनी या गिनी का
ला न ले न वाय नमः ॥ ॐ द्रं हां हा किनी या गिनी क ला ना न ले न वा
य नमः ॥ ॐ द्रं यां या किनी या गिनी क या द ले न वाय नमः ॥ ॐ
द्रं हां ही व नी या गिनी ही म न्य ले न वाय नमः ॥ पूर्व दि ॐ
ग न न ॥ ॥ ग न न द य ॥ ॐ द्रं म य नमः ॥ ॐ द्रं
य नमः ॥ ॐ द्रं सा म व दाय नमः ॥ ॐ द्रं म थ व व
दाय नमः ॥ ॥ पूर्व दि उ र्वा न ॥ ॐ द्रं क न य नमः ॥

[illegible][illegible]

हं नमः शिवाय नमः ॥ धन ॥ ॐ हं नमः शिवाय नमः ॥
पूजितं लोचनं । एकं मूलं रत्नं । यीति शिवाय नमः ॥ धन ॥
नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥
हं हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥
वीनं शिवाय नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥
यादिनं पूजा ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥
पति पूजा ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥ ॐ हं नमः ॥

2.562

ASNA ARCHIVES

2.562

ASHA ARCHIVES

अथ कनूलसिद्धि ॥ नमो निवनालि अदि त्यावा नंधरुन वृहस्य नि
वानंधरु सुनरुण नाले । कनूल काय र्म कालपी पाव र्म तान
धमादि जवस्वव मयन जवरवव रिवृजा कनूल वूय के र्म
८ लसिया फोव स्वनि नभान ह्माय स्र चिव र्म न निय उपवा
सया दनय ॥ वावानलि नस्सन द्वा धन र्क ॥ नाठि वर र्म पूजा
द्वाय ॥ ॥ कनूल काय र्म नवस्थ र्म १ वर स १ स्व लिले
आहायने य र्म नले आहा च्चु र्म द्वा हा नस्वान र्म १०८

मूरुतनु सनीन ॥ अथ वासु मूर्ति २ ॥ जानन पातु याहं सद्गुरु ॥
 दाहान स्याल २ ॥ मूरुतनु सनीन ॥ स्व लिकु १ गुं ३ निध्व ॥
 १ ॥ आखन क र्मि त स्या यं वाय वा न पूजा जानन दयक ॥ ॥
 ना ६ ॥ वन पूजा ॥ यं वा मृत मूलि हान ॥ धनिव गजिक मर वाय
 ल आहा यन यं चरत ॥ वा १ ॥ देव ह्म ग र्क धन ॥ चंदनादि दृष्टि
 पूष्य सधो यहा नं न मं पूष्य ॥ ॥ जान ॥ विव द्गु नि चर रुय
 कं वाय ॥ नि वन ॥ वलि ॥ वद जा वाय ॥ क नू ल या ग ल पूज ल ठि धि

मूर्ति आदि वाक् ॥ यजमान स्या मूरुतनु स्या क नू ल सिद्धि काम नार्थ
 मी न लो ॥ अत्र निव न कि र ह्म ल का य द्वा ग व लि स ह्मि त यं श
 य वा न पू जा नि मि त्य र्थ क र्मु व ह्म ह्म न व मूरु धन म ४ ॥ मा ८ ग
 यो ८ ग ल दे वा च्छे ॥ न व न म ॥ म र्कु न य ज्ञा ॥ वि यून म र्कु ल पूजा
 ॥ धूय दी य जाय मा न ॥ धन क नू ल पा ग र्क दे व स न मूरु व न
 स्व ह्मि का ह्म नि धाय ॥ ॥ धन ८ ग धन ॥ ॐ ८ ८ मूरु या य रु ८ ॥ मूरु
 ध पा ग र्क न ज नि य ० ॥ ॐ ८ ८ क ८ मूरु या य रु ८ ॥ ना ८ य र्थ ३ ॥

ॐ हूं हूं निखाये वोषट् ॥ निलिहं लं ॥ धनमडा ॥ कृ (ग) ल पृ ॥ ७ ॥
 हृदयमधियावयउय ॥ मनमले ॥ ॐ हूं लं सधा जा नायय वि
 मवकायनमः ॥ ॐ वं वामदेवाय उ न ववकायनमः ॥ ॐ हूं
 वं अधानाय ॥ हिल वकायनमः ॥ ॐ हूं रं नल्य नवाय यवव
 कायनमः ॥ ॐ हूं रं वीरमनाय उ ह वकायनमः ॥ लि मी
 ॐ नं रं मयनमः ॥ ना ली ॥ ॐ हूं मायाय नमः ॥ हृदय ॥ ॐ
 गील मीयनमः ॥ कै ॥ ॐ हूं रं कायनमः ॥ नमः ॥ ॐ

श्री यनालीयनमः ॥ ॐ नं वं मनासाय नमः ॥ ॐ हूं दं दिग
 नासाय नमः ॥ ॐ हूं वामच दूधनमः ॥ ॐ हूं दं दिग व दूधन
 मः ॥ ॐ हूं रं म (ध) नमः ॥ ॐ नं ललाट नमः ॥ ॐ हूं दं दं रं लक
 लु नमः ॥ ॐ हूं वामक लु नमः ॥ ॐ हूं रं कानिकायां नमः ॥
 ॐ श्री सरुकायनि नमः ॥ ॐ हूं म म ॥ वी हृदयाय नमः ॥ ॐ
 हूं क उ क हूं हूं हूं हूं हूं हूं व व नमः ॥ कि लि र
 वि वि हूं उ क म म य हूं हूं व व ॥ ॥ मन न ना उ य ७ ॥

[illegible][illegible]

मन्त्रं न करुण पात्रया जितुं सततं ॥ ३ ॥ ॥ ॐ इक्ष्वा २ दूँ ॐ
॥ नवकुण्ड वायुदं ३ दूँ ॐ ३ ॥ देवस्मृतये ॥ पुनर्नवमन्त्र
न पठित्वा करुण पात्रया जितुं निश्चयः ॥ ॥ करुण पात्रया
ममन्त्रं ॥ ॐ त्रियाचक देवस्मृतये ॥ ॐ यमायदं ॐ रुद्राय ममन्त्रं
मायदं ३ यं ३ नमः ॥ ३ ॥ पुनर्न ॐ त्रियाचक देवस्मृतये ॐ ३ दूँ
कांकी कुं ६ कां कं करुण पात्रया महानि नवाय क्सी वेनाम्य गकि
सहिताय करुण पात्रया नवमन्त्रं ॥ ॐ ३ दूँ ॐ ३ ॥ करुण पात्रया

स्मृतये नवमन्त्रं करुण पात्रया सहिताय नमः ॥ ३ ॥ देवस्मृतये ॥ ॥
ॐ ३ दूँ करुण पात्रया महानि नवाय वेनाम्य गकि सहिताय करुण
पात्रया नवमन्त्रं ॥ देवस्मृतये ॥ ॥ नवमन्त्रं ॥ ॐ ३ दूँ ॐ ३ ॥
अने आ दाव जाय १०७ ॥ धूप द्या रुत करुण पात्रया जाय यकं
काय नमः ॥ नवमन्त्रं ॥ नवमन्त्रं ॥ नवमन्त्रं ॥ नवमन्त्रं ॥
॥ करुण पात्रया नवमन्त्रं ॥ नवमन्त्रं ॥ नवमन्त्रं ॥ नवमन्त्रं ॥

प्रतिरुज। ययकं दवस्कं धवरसि यदयकं कृत्वा सतय रुनी ॥ ॥
मूथका नलयातु काठवार्नवा लादिमालङ्गं लंखमलुल (ध
नावका नस्यं विदव नऽधुन ॥ ॥ (धधन ॥ ॥ (धधन ॥
माय रुत ॥ गूघया गोदकं न धा रुनी ॥ (धधन ॥ (धधन ॥
॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ ॥ (धधन ॥ ॥ (धधन ॥
न वातिज रु ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥
॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥

नमः ॥ दवस्कं नन ॥ यनापि तदवस्कं नन ॥ दवस्कं नन ॥
संतय ॥ मूथका नलयातु काठवार्नवा लादिमालङ्गं लंखमलुल (ध
य (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥
॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥
यतयं यं नय निदु गाय रुत ददया सुकल नू पि न स्वाहा ॥ पृष्ठ
वदवस्कं नय ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥ (धधन ॥
आतिप न नय सिद्धि नूडा यस्याय न नि सिद्धि द हि स्वाहा ॥ (धधन ॥

ऊनं ॥ पलु मलु समर्थ नं ॥ उव वासन वा दु झन कनू हा पाग
वयर्क चूझी मथि सिना लमनी स द्द व र नं ॥ गु गु लि वं थ सी रु
य ॥ उ न न मा नि नी स्ना तु य उ या व द्द व र नं ॥ क नू ली म नू उ
झी न ल या द्द म नो नो म नू स म नू नो द लु व लान न द्दा या चि व
ह्या व ॥ द्द यी आ खान स सा स स्ति न व थि सा व न या थ म नू स्व म
लु न द य का व ॥ य द्द वा स न शाय अरु य द्द ॥ थ म क वी ३ वा
य ॥ च द्द ना दि न न व न य ॥ आ खान स च्छ थ य म ल र्व म छ

ल स ध य द्द न य ॥ य द्द वा स न स्व रि क शाय गाय अरु तु द्द का
या व ॥ क नू ली प र्ग का नू ल पा नू स्वन ॥ क नू ल पा नू य व शानि
क नू ॥ का नू ल पा नू उ र्क न शान व कं स्व न ॥ ॥ थ न स नो य
ना द्द व न द्द का या य ॥ क नू ल म लिन ॥ धू य दी प जा य अ
व ॥ ॥ क नू ल पा नू या द्द व न शो दा व ॥ पा ल म या य ॥ म नू
क नू व कं व कं ३ ॥ आ स ॥ उं ऊं कां द्द द या दि ॥ थ न क नू न
पा नू स्व न ॥ उं ऊं व कं ४ आ स य रू द्द ॥ पा नू ली ॥ उं ऊं व कं ४

अस्माय रुट ॥ गौतमी ३ ॥ ॐ ऊँ को न न ग या य वो वट ॥ नि
लि रु ली ॥ वी धन मूडा ॥ ॐ ऊँ कां कां द द या य न मः ॥ ॐ ऊँ की नि न मूडा
हा ॥ ॐ ऊँ ऊँ ॥ ॐ स्वा ये वो वट ॥ ॐ ऊँ ऊँ क व वा य दू न मः ॥ ॐ ऊँ को
न न ग या य वो वट न मः ॥ ॐ ऊँ ऊँ मूडा य रु ट न मः ॥ ॥ क नू ल मू ल
म नू न द न वा नि ने मि थू य य ॥ १० ॥ ग धे वे द न वा ना द ली कू ल ॥
पू ध्या रु न जा दा व दू वा या दा मू ल म नू न ऊ य न य ॥ १०० ॥ ध स्वा ल व
दू धे जा ल क रु या स्वा न व ना कू दा व चू च क ॥ ध न ति च कू गा

ल क मू द व दू ला या ॥ का न ल पा न न कू वा या रू क वि य क ॥ क नू ल म म
का या व म रु न क ॥ खि धा क था या ॥ स्वा म्वा ग न म ति व ॥ न्या म्वा ग न म
ॐ ल वि रु डी नी ॥ ॐ रा कू स म्वा य व य नी धि य क ॥ ॥ ध धे वा स्वा न दू य क
य ति क रु ना व म न वि र्म यू जा या दा व पू ध्या रु न ऊ य न य ॥ १०० ॥
ना न म वा र्म व या व म नू म धि य क नू ल पा न न कू च क ॥ का न ल पा
न या म नू ऊ य न पा व का न न कू च क ॥ रु क वि य ॐ धी ॥ द व दू
॥ ॐ रु द रु वा य धा गी कि धी ॥ ॥ ॐ न क नू ल सि धि या वि वि ॥

अत्रि त य विधि श्रवधर्म घनिगय ॥ तना नांशु श्वर पूजा ॥ वाक्का ॥
 यमानस्य अमक नृणां नमः नृत्त्यम लुपयुर्वेत् ॥ विधि धर्म पूजा
 ॥ वि ॥ अथ नया स्व नमान मिमाया गृह धरु नसा सका न कृत मनु
 न मिज नका त द्धुं न सा रुका न कृत मनु ल पूजा ॥ कम ॥
 नांशु श्वर पूजा धून क ॥ यलु नष्टीन ॥ अग य र्थी न ॥ ॥ धन
 पा स्व मान यानि सक ल्य देव या द्धु व न त या व कम नं मृ ग निय
 व ॥ मिज न या ग रु क नि मृ च या रा द क न जि न स रु या व

अथ धर्म ॥ नं ज रुं ल य न र य या ग ॥ अथ य मि मि ता ल व दं नृ द्य श्व ना
 रु या म क या ग स र स र सि दि २ स्वा हा ॥ न र्व य का न न स क ल्य
 ॥ अथ न य मान ॥ ॥ मिमा या ग रु क सका न कृत द्धु व न त र्थ
 ॥ ली य न सि दि २ स्वा हा ॥ ३ ॥ देव जा य क ॥ द द न ॥ न ॥ वा क न रु
 य ॥ देवा जी वी द ॥ अस्मा जी वी द ॥ न्या मा मृ ल व लि वि स र्ज ल ॥
 धर्म लि आ वा ल व या व अ व र्थ र स स रा र्थ पूजा ॥ य द वा स न
 म लु ले द य क ॥ वि न ल दि य र्थी द या ॥ वि स म नु ल ॥ गी न व द

शायनमः पायूज ॥ आलम्ब्यदिचतुर्विदिशुः ४ पूर्वोत्तरादिशुः
उत्तरार्धे ॥ ॥ ॐ ह्रीं नमो नमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं अक्षयनमः ४ पा
यूज ॥ ॐ ह्रीं मोक्षनमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं कालीनमः ४ पायूज ॥ ॐ
ह्रीं कलविकल्पिनमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं वलविकल्पिनमः ४ पा
यूज ॥ ॐ ह्रीं वलयमथनमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं सर्वत्र नन्दनमः ४
४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रान्नमः ४ पायूज ॥ पूर्वोदिमध्याह्निके ॥ ॥
ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं गङ्गा नमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं हाननगङ्गा नमः ४ पायूज

॥ ॐ ह्रीं क्रियाङ्गा नमः ४ पायूज ॥ मध्याह्ने ॥ ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं यनमः ४ पा
यूज ॥ ॐ ह्रीं आलम्बनमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं मन्त्रमाथनमः ४ पायूज ॥
ॐ ह्रीं नेमनमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं वनमः ४ पायूज ॥
ॐ ह्रीं वायव्यनमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं सुवेलानमः ४ पायूज ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं ज्ञानाय नमः ४ पायूज ॥ ॐ ह्रीं मन्त्राय नमः ४ पायूज ॥
ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं यनमः ४ पायूज ॥ पूर्वोदिमध्याह्निके ॥ ॥ ॐ ह्रीं म
न्त्रादिमन्त्रादिनिनन्दनमः ४ ॥ ॥ नवनपूरक

ॐ ह्रीं लीं त्रं ४ ग्रां रं लेयानकनूपाभरुतेनवायस्त
नम किमहिताये अवग २ स्वाहा ॥ वलि ॥ ॐ ह्रीं नमान्
नयनययनगलेधन सूर ॥ ह्रियाय सुकनत्रयिने स्वाहा ॥
हयानुकया ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं वां नीवे ॥ २ ॥ वां देवी तत्सुत्रयमस्त
नद ॥ सुवे नद ॥ गकि ॥ हि ॥ प ॥ १ ॥ २ ॥ स्वाहा ॥ वलि ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं विधिदिना गनाय ॥ ३ ॥ नूयाय सविक्रमपदा
यद्रूपयानमूर्त्तयमहा ॥ नारायणनमः ॥ ४ ॥ वीरसया ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं

नीत्रं ४ ग्रां रं लेयानकनूपाभरुतेनवायस्त ॥ गकि ॥ हि ॥ प ॥ १ ॥ २ ॥ स्वाहा ॥ वलि ॥
अवग ॥ २ ॥ स्वाहा ॥ वलि ॥ ॐ ह्रीं नमान्
नद ॥ सुवे नद ॥ गकि ॥ हि ॥ प ॥ १ ॥ २ ॥ स्वाहा ॥ वलि ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं विधिदिना गनाय ॥ ३ ॥ नूयाय सविक्रमपदा
यद्रूपयानमूर्त्तयमहा ॥ नारायणनमः ॥ ४ ॥ वीरसया ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं

नथ संस्था महाविनाश स्वनी नरालक्ष्मी ग कि सहि नाय या पूजा ॥
 ॐ देवलि ॥ ॐ द्रुं नं को सो विपुन सुन्य य नम ४ या पू ॥ न य मूडा
 द गथ ० ॥ ॐ नि नरुय ४ न पूजा ॥ ॥ मनु सा द न न न्दियु ज न ॥
 ॐ द्रुं नां द द या दि ष द र्ज न मो स का न य ॥ ॐ द्रुं नां द द या दि ष द र्ज न
 न य द्वा म ना य न म ४ ॥ ध्यान ॐ द्रुं य वा वि र्जु ज टा ध्वनी ज क को
 व रुं ज ॥ मूल वि द ॐ व ध ना वा य मा ना मृ द ग क ॥ न व न य म रु लो
 ना न न्दि ज द्वा न या न क ४ ॥ ध्यान पू र्वा न म ४ ॥ ग्रा ॐ लि ॥ ॐ द्रुं नं

न न्दि न्द्य महा वि न व मृ ल्क य या पू ॥ ३ ॥ न व व ली द ॥ नां द द या
 दि ष ३ र्ज न य पू ज न ॥ १ ॥ मृ द्वा ग मृ डा न्द ग य ० ॥ ॐ नि न न्दि यु ज ४
 ॥ मृ थ मृ न सा वा म मा रु क न य पू ॥ ४ ॥ मा द द या दि ना म ४ ॥
 ॐ ध ना दि ० ॥ य ना म ना य न म ४ ॥ ध्यान ॐ व रुं वी र्जु वि ग लो म्वा र्ज
 नां ग म्वा महा द न ४ कृ व वा ल पि र्ज क ग म्वा मृ लु मा ला वि लो च न ४
 ॥ मृ लि र्ज ख ट ये व मृ द्वा म्वा द ना लु क ॥ कृ म्वा म्वा महा को ला
 न य ज द्वा न मा ग म ४ ॥ ध्यान पू र्वा न म ४ ॥ ग्रा ॐ लि ॥ ॐ द्रुं नं महा

कालाय लेखमूर्त्तयया पूज ॥३॥ वलि ॥ ॐ ह्रीं मां हृदयादि षष्ठ
लैला पूजन ॥७॥ विष्णुनमोदा न्दजय ॥ ॐ विमलकानपूजा ॥
मूथदवस्याय नृगवर्त्त ॥ ॐ ह्रीं मां हृदयादि न्यास ॥ आध्यानादि ८
॥ ॐ ह्रीं य नो म्नाय नमः ॥ ग्राहिलि ॥ ॐ ह्रीं मां ह्रीं ह्रीं ह्रीं तु यालाय
ग्राहिलि पूर्ण पाद ॥३॥ वलि ॥ ॐ ह्रीं मां हृदयादि ॥७॥ वृद्धमूढा ॥
विन्दु ३ ॥ ॐ ह्रीं मां हृदयादि ॥ ॥ नन्दीसदक वृद्धकावर्त्त ॥ न्यास ॥
ॐ ह्रीं मां हृदयादि मूर्त्त न्यास ॥ आध्यानादि ८ ॥ ॐ ह्रीं मयूलासा

यवा पूज ॥ ग्राहिलि ॥ ॐ ह्रीं मां वीं वृं वदूकनाथ य ग्राहिलि पूर्ण पा
पूज ॥ वलि ॥ ॐ ह्रीं मां हृदयादि नपूजा ॥७॥ नर्जनिमूर्त्त ॥ विन्दु ३ ॥ ॐ
नि ॥ ॥ महाकालस्य वामगल गपूजन ॥ न्यास ॥ ॐ ह्रीं मां ह
दयादि ॥ आध्यानादि ८ ॥ ॐ ह्रीं मू वा म्नाय या पूज ॥ ग्राहिलि ॥
ॐ ह्रीं मां गी गी गी गी य नय ग्राहिलि पूर्ण पा पूज यामि ॥ वलि ॥ ॐ
ह्रीं मां हृदयादि नपूजा ॥७॥ विन्दु ॥ ॥ देवस्य उद्धर नम
मानपूजन ॥ न्यास ॥ ॐ ह्रीं मां हृदयादि ॥ आध्यानादि ८ ॥ ॐ

